Name of the event- **अपने दायित्वों से मीडिया ने मुख नही मोड़ा: संजीव भानावत**

Organized by- हिंदी पत्रकारिता विभाग

date – 24 अप्रैल 2021

No. of participant – 121

अपने दायित्वों से मीडिया ने मुख नही मोड़ा: संजीव भानावत

श्री गुरु नानक देव खालसा कॉलेज के हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता विभाग के द्वारा 24 अप्रैल 2021 को 'कोरोना काल में मीडिया की भूमिका' नामक विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों को देश के विभिन्न अंचलों के मीडिया कर्मियों एवं मीडिया शिक्षकों के साथ संवाद का एक अवसर प्राप्त हुआ। इस क्रम में कम्युनिकेशन टुडे के संपादक, राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व सीएमसी प्रमुख, प्रो. (डॉ.) संजीव भानावत जी प्रमुख वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार मीडिया ने हर एक दौर में अपनी अहम भूमिका निभाई है उसी प्रकार वह आज भी निभा रहा है। ऐसा दौर भी आया जब लोगों को अखबार को हाथ लगाने से डर लगता था, ऐसी खबरें आ रही थी कि अखबारों से कोरोना का संक्रमण हो सकता है। ऐसे में मीडिया ने कभी अपने दायित्वों से मुख नहीं मोड़ा और सूचना के समस्त स्रोत बंद हो जाने के बाद भी अपने पाठकों, दर्शकों एवं श्रोताओं को सूचित करने तथा उन्हें परिस्थिति से जागरूक रखने का कार्य जारी रखा। जब लोगों को पता नहीं था कि कोरोना वायरस क्या है, कहां से आया है, कितना खतरनाक है, कैसे फैलता है, यह कैसे अपना रूप बदल रहा है, इससे कैसे बचा जाए, मास्क व सैनिटाइज़र का इस्तेमाल और इम्युनिटी को बढ़ाना इत्यादि विषयों से मीडिया ने ही जनता को रूबरू करवाया जिससे लोगों ने न सिर्फ परिस्थिति की गंभीरता को समझा अपितु उससे लड़ने का प्रशिक्षण भी हासिल किया। जब लोग अपने घरों में बंद हो गए तब एक फ्रंटलाइन वर्कर की भांति मीडिया कर्मियों ने अपने तथा अपने परिवार की जान को जोखिम में डालकर अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता दी । इस बीच कई पत्रकारों की नौकरियां चली गई, कई कोरोना की चपेट में आ गए लेकिन इसके बावजूद मीडिया ने तालाबंदी के चलते प्रवासी मजदूरों की पीड़ा, संवेदना, संकट, परेशानियों को जन भावनाओं को जोड़ने की कोशिश की तथा सामजिक दूरियां बढ़ने के बावजूद मानवीय मूल्यों को खत्म नहीं होने दिया। भानावत जी ने कहा कि कि लोग सूचना तो पाना चाहते हैं, पर उस सूचना के लिए भुगतान नहीं करना चाहते। जिसके चलते मीडिया विज्ञापनों पर आधारित है, लेकिन उसके बावजूद भी वह प्रभावी ढंग से अपने कार्य को संचालित करने का प्रयास करती है। एक मीडियाकर्मी को कई तरीके के कार्य करने पड़ते हैं, बड़े-बड़े वैज्ञानिक एवं चिकित्सकों के साक्षात्कार को उनकी वैज्ञानिक शब्दावली को पाठकों के मध्य आम भाषा में समझाने का कार्य मीडिया ही करती है। महामारी के इस दौर में नई शब्दावली का उद्भव हुआ जैसे ग्रीन जोन, रेड जोन, क्वॉरेंटाइन, आइसोलेशन, लॉकडाउन इत्यादि। इन सभी की

जानकारी मीडिया के द्वारा ही लोगों तक पहुंची। कार्यक्रम के दूसरे प्रमुख वक्ता, भारतीय जनसंचार संस्थान के प्रो. राकेश गोस्वामी जी ने कहा, 'जब करोना की पहली लहर आई थी तो उस वक्त मीडिया के सामने बहुत बड़ी चुनौती खड़ी थी। हालात गंभीर थे, लोगों में डर था कि इलाज कैसे होगा? लोग अस्पताल जाने से डरते थे। एक-दूसरे को बताने से डरते थे कि वह कोरोना से संक्रमित हैं। उसी दौरान तालाबंदी के बीच प्रवासियों का आना जाना उन सभी खबरों को महामारी के दौरान लोगों तक पहुंचाना, कंटेनमेंट जोन में तस्वीरें खींचना, रिपोर्टिंग करना एक बहुत ही साहसपूर्ण व खतरनाक कार्य था, जिसे हमारे मीडियाकर्मियों ने पूरी शिद्दत से अदा किया। तमाम तरीके के जोखिम लेकर पाठकों तक सूचनाएं पहुंचाना वो भी ऐसे समय में जब अपनी नौकरी, अपने तथा अपने परिवार के स्वास्थ्य की ही अनिश्चितता बनी हुई हो। सूचना के स्रोत व लोगों से मिलना जुलना सीमित हो गया था। 6 से 12 पृष्ठ के अखबार में एक ही विषय पर लिखना, अपने पाठकों को गलत खबरों व सूचनाओं से बचाना, वास्तविक तथ्यों को सामने रखना और अपने परिवार को जोखिम में डालकर कार्य करना मीडिया कर्मियों के लिए बहुत बड़ी चुनौती थी। साथ ही आज कोरोना वायरस की दूसरी लहर में लोगों की आशंकाओं का निवारण भी मीडिया ने ही किया है। मीडिया का प्रयास रहता है कि वह अपने पाठकों को किसी भी खबर से वंचित न रखे, महामारी के अंतर्गत कार्य करने वाले सभी पेशो को सरकार की तरफ से कोई ना कोई सहूलियत थी लेकिन मीडियाकर्मी को नहीं और ना ही मीडिया कर्मियों को फ्रंटलाइन वॉरियर का दर्जा दिया गया। इन परिस्थितियों में भी किसी भी मीडियाकर्मी ने अपने दायित्वों से मुख नहीं मोड़ा, हमें उन मीडियाकर्मियों को सलाम करना चाहिए।' वेबीनार की तीसरे प्रमुख वक्ता, दिल्ली के मीडियाकर्मी वयलोक पाठक जी ने भी मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला और साथ ही मीडिया द्वारा किए जाने वाले कार्य व मीडिया को क्या करना चाहिए आदि बिंदुओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वेबीनार में उपस्थित सभी प्रतिभागियों के समक्ष अपने विचारों को साझा किया। तत्पश्चात हिंदी एवं हिंदी पत्रकारिता विभाग की प्रभारी एवं कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. दीपमाला, पत्रकारिता की प्राध्यापक डॉ. सविलता यादव, डॉ. रूद्रेश नारायण मिश्र ने भी तीनों वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया तथा वेबिनार का संचालन पत्रकारिता विभाग के प्राध्यापक महेंद्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विषय से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। इस प्रकार यह परिसंवाद रोचक एवं विचारोत्तेजक रहा।